राष्ट्रीय वस्त्र निगम की मिलों के पास उपलब्ध अतिरिक्त भूमि

1217. श्रीमती सुषमा स्वराज :
श्री राम जेठमलानी :

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सही है कि राष्ट्रीय वस्त्र निगम के अधीन 109 वस्त्र मिलों के पास अतिरिक्त भूमि मौजूद है ;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में तथ्य क्या हैं और दिसम्बर, 1994 के अंत तक देश के किस-किस राज्य में वस्त्र मिलों के पास कितनी-कितनी अतिरिक्त भूमि विद्यमान थी, तथा ऐसी मिलों की संख्या कितनी है और इस प्रकार की कुल कितनी भूमि उपलब्ध है ;

(ग) क्या सरकार ने ऐसी भूमि के वास्तविक मूल्य का आकलन करने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर कोई सर्वेक्षण कराया है ;

(घ) यदि हां, तो किस-किस राज्य में वस्त्र मिलों के पास अतिरिक्त भूमि है और प्रत्येक राज्य में ऐसी भूमि का मूल्य कितना-कितना है ; और

(ङ) क्या सरकार ऐसी भूमि को बेचकर प्राप्त राशि से राष्ट्रीय वस्त्र निगम के तहत आने वाली वस्त्र मिलों के आधुनिकीकरण हेतु बनायी गयी 2005 करोड़ रु० की योजना को कार्यान्वित करने का विचार रखती है ; यदि हां तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

वस्त्र मंत्री (श्री जी० वेंकट स्वामी : (क) से (ङ) विभिन्न राज्यों में एन टी सी के 9 सहायक निगमों के पास बेशी भूमि उपलब्ध है। अलग अलग मिल की बेशी भूमि का क्षेत्र भिन्न है तथा यह विभिन्न मिलों में उपलब्ध है। श्रम मंत्रालय की एन टी सी विषय विशेष त्रिपक्षीय समिति ने अन्य बातों के साथ-साथ यह सिफारिश की है कि एन टी सी मिलों के साथ-साथ अधिग्रहित मिलों को वस्त्र अनुसंधान संघों द्वारा दिए गए प्रस्ताव अनुसार आधुनिकीकरण द्वारा अर्थक्षम बनाया जा सकता है तथा एन टी सी मिलों की बेशी भूमि तथा अन्य परिसंपदाओं को बेचा जा सकता है तथा उससे प्राप्त होने वाली आय को प्रबंधकों द्वारा आधुनिकीकरण, कार्यशील पूंजी आदि के लिए प्रयोग में लाया जा सकता है। सरकार एन टी सी के सर्वांगीण सुधार की योजना की जांच कर रही है। अभी तक कोई निर्णय नहीं लिया गया है। चूंकि एन टी सी के 9 में से 8 सहायक निगमों के मामले बी आई एफ आर को भेजे गए हैं इसलिए सरकार जो भी योजना बनाएगी उसके क्रियान्वयन से पहले उस पर बी आई एफ आर की सहमति प्राप्त करनी अपेक्षित होगी ।

कपास भंडारण पर प्रतिबंध

1218. श्रीमती सुषमा स्वराज :
श्री राम जेठमलानी :

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश में सूती धागे की गत कई महीनों से निरंतर बढ रही कीमतों को नियंत्रित करने के लिए कपास के भंडारण की मात्रा पर दिसम्बर, 94 माह में कतिपय प्रतिबंध लगाये थे ;

(ख) यदि हां, तो क्या यह भी सच है कि दिसम्बर, 94 में लगाये गये प्रतिबंध फरवरी, 95 में उठा लिए गए थे ;

(ग) यदि हां, तो क्या-क्या प्रतिबंध लगाये गए थे और क्या इन प्रतिबंधों के कारण देश में कपास और सूती धागों की कीमतों में कमी आयी थी ;

(घ) यदि हां, तो दिसंबर, 1994 के प्रथम सप्ताह में हथकरघा उद्योग द्वारा प्रयुक्त सूती धागे की विभिन्न किस्मों के मूल्य क्या-क्या थे और इन्हीं किस्म के धागों के मूल्य फरवरी, 1995 के अंत में क्या-क्या थे ;

(ङ) क्या यह सच है कि उपर्युक्त अवधि के दौरान कपास की विभिन्न किस्मों की कीमतों में वृद्धि हुई है ; और